

न्यायालय जिला कलक्टर गंगापुर सिटी
पीठासीन अधिकारी डॉ० गौरव सैनी

अपील संख्या 18/24

तारीख रजजू- 01/10/24

1. कपूरा पुत्र चिरंजी जाति गुर्जर निवारी ग्राम खेडली तहसील बामनवास।

—अपीलार्थी

बनाम

1. सरकार जरिये तहसीलदार बामनवास।

—रेस्पॉडेन्ट

निर्णय

दिनांक 07/11/2024

उपस्थित

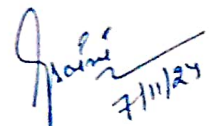
1. अधिवक्ता भानु कुमार सिंघल – अपीलार्थी पक्ष
2. परोकार सरकार – रेस्पॉडेन्ट पक्ष

अपीलार्थी ने यह अपील राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम, 1956 की धारा 75 के अन्तर्गत तहसीलदार बामनवास द्वारा मिसल संख्या 08/2024 में पारित निर्णय दिनांक 24.09.2024 के विरुद्ध प्रस्तुत की है, जिसके द्वारा अपीलार्थी को ग्राम खेडली के आराजी ख0नं0 08 रकबा 0.05 है0 किस्म बंजड व खसरा नम्बर 09 रकबा 0.05 है0 किस्म बरानी-2 पर अनाधिकृत रूप से अतिक्रमण कर कब्जा करने का कर्ता मानकर भूमि से बेदखल किये जाने, अर्थात् दण्ड स्वरूप शास्ति आरोपित करने के दण्ड से एवं सिविल कारावास की सजा से दण्डित करने का आदेश पारित किया गया है।

अपील प्रस्तुत होने पर दर्ज रजिस्टर किया जाकर प्रत्यर्थी की तलबी जरिये नोटिस की गई तथा अपीलाधीन आदेश संबंधी अधीनस्थ न्यायालय की पत्रावली तलब की गई। अधीनस्थ न्यायालय की पत्रावली प्राप्त होने पर उभय पक्ष की बहस सुनी गई।

विद्वान वकील अपीलार्थी ने अपील में वर्णित तथ्यों का हवाला देते हुए बहस में तर्क दिया कि अधीनस्थ न्यायालय का निर्णय दिनांक 24.09.2024 पत्रावली पर उपलब्ध साक्ष्य एवं विधि के विपरीत होने के कारण निरस्त होने योग्य है। अधीनस्थ न्यायालय ने अपीलार्थी को पटवारी हल्का से जिरह का कोई अवसर नहीं दिया और गलत तरीके से कार्यवाही की है जो प्राकृतिक न्याय के विरुद्ध होने से निरस्त होने योग्य है। अधीनस्थ न्यायालय द्वारा अपीलार्थी को पश्चात्वर्ती अतिक्रमी मानने में भारी कानूनी भूल की है। प्रार्थी पश्चात्वर्ती अतिक्रमी की श्रेणी में नहीं आता है। पत्रावली में ऐसी कोई साक्ष्य मौजूद नहीं है। जिससे यह साबित होता हो कि अपीलार्थी को वास्तविक रूप से भौतिक रूप से कब्जे से बेदखल किया गया है। उक्त वाद आराजीयात मौके पर बिल्कुल खाली है। परन्तु पटवारी हल्का ने गलत फहमी में अतिक्रमण की रिपोर्ट प्रस्तुत की है तथा पटवारी हल्का से प्राप्त मौका रिपोर्ट दिनांक 22.10.2024 के अनुसार भी अतिक्रमी (अपीलान्त) कपूरा पुत्र चिरंजी के द्वारा खसरा नम्बर 8,9 के अतिक्रमी क्षेत्र पर मौके पर भूमि खाली है, साथ ही अधिवक्ता अपीलान्त ने उक्त अपील अपीलार्थी स्वीकार की जाकर अपीलाधीन निर्णय निरस्त फरमाने हेतु निवेदन किया।

विद्वान वकील अपीलार्थी द्वारा की गई बहस का खण्डन करते हुए परोकार सरकार ने बहस में तर्क दिया कि अदालत मातहत द्वारा अपीलार्थी को सुनवाई सबूत का अवसर प्रदान करने तथा अतिक्रमित आराजी पर अपीलार्थी का अतिक्रमण पाये जाने के

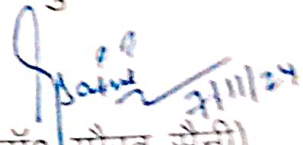

7/11/24

उपरान्त ही अपीलार्थी निर्णय पारित किया है, जिसमें किसी प्रकार की अनियमितता व अवैधानिकता नहीं है। अतः अपील अपीलार्थी खारिज की जावे।

दोनों पक्षों की बहस सुनने, उस पर मनन करने तथा पत्रावली का अवलोकन करने के पश्चात् यह निष्कर्ष निकलता है कि अदालत मातहत के समक्ष पटवारी हल्का द्वारा अपीलार्थी के विरुद्ध अतीचार की रिपोर्ट प्रस्तुत करने पर प्रकरण दर्ज रजिस्टर किया जाकर अपीलार्थी को सुनवाई सबूत हेतु नोटिस जारी किया गया। जिससे स्पष्ट है कि अपीलार्थी को सुनवाई का समुचित अवसर प्रदान किया गया है। जहां तक अपीलार्थी के पूर्ववर्ती अतीचारी होने के प्रश्न है तो पटवारी हल्का ने अपनी रिपोर्ट एवं बयान में पश्चात्वर्ती अतिक्रमण होना अंकित किया हुआ है। पटवारी हल्का से प्राप्त नवीनतम मौका रिपोर्ट दिनांक 22.10.2024 के अनुसार भी अतिक्रमी (अपीलान्त) कपूरा पुत्र चिरंजी के द्वारा खसरा नम्बर 8,9 के अतिक्रमी क्षेत्र पर मौके पर भूमि खाली है, लेकिन अपीलार्थी द्वारा भविष्य में उक्त आराजी पर पुनः अतिक्रमण किये जाने की संभावना से इन्कार नहीं किया जा सकता। इसलिए अपीलार्थी को भविष्य में उक्त आराजी पर अतिक्रमण नहीं किये जाने हेतु पाबन्द किया जाना आवश्यक है।

अतः उपरोक्त विवचेना के आधार पर अपील अपीलान्त आंशिक रूप से इस निर्देश के साथ स्वीकार की जाती है कि अपीलार्थी एक शपथ पत्र इस आशय का "अपीलार्थी भविष्य में उक्त आराजी पर अतिक्रमण नहीं करेगा एवं यदि वह अतिक्रमण करता है तो उसके बाद होने वाली समस्त कार्यवाही का वह स्वयं जिम्मेदार होगा" इस निर्णय से 15 दिवस के अन्दर न्यायालय तहसीलदार बामनवास में एवं प्रति इस न्यायालय में पेश कर देता है तो अदालत मातहत द्वारा पारित निर्णय में अपीलान्त को दी गई सिविल कारावास की सजा की हद तक निरस्त माना जावे अन्यथा सिविल कारावास की सजा यथावत मानी जावे। शेष आदेश शास्ति, बेदखली व फसल निलामी को यथावत रखा जाता है।

निर्णय आज दिनांक 07/11/2024 को लिखाया जाकर खुले न्यायालय में सुनाया गया।


(डॉ० गौरव सैनी)
जिला कलक्टर
गंगापुर सिटी